Selection Grade Posts of Section Officers (Hort.) in C.P.W.D.

4586. SHRI DOONGAR SINGH : Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to lay a statement showing:

(a) what is the number of selection grade posts which have been calculated according to their percentage of total strength of Section Officers (Hort.) in C.P.W.D. during 1980, 1981, 1982 (year-wise);

(b) what is the number of selection grade posts which have been filled up during 1980, 1981, 1982;

(c) what is the number of selection grade posts which were due for filling according to percentage of total strength during 1980, 1981, 1982; and

(d) if the above posts were not filled up according to schedule, the reason therefor ?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS, WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA NARAIN SINGH). (a) to (d). The information is being collected and will be laid on the Table of the Sabha.

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से गेहूं का वितरण

4587. **श्री बुद्धि चन्द्र जैन** : क्या **नागरिक पूर्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों के निर्बल वर्गों के लोगों को गेहूं वितरित करने की बजाय इसका अधिकांश भाग नगरों और कस्बों में वितरित कर दिया जाता है ?

(ख) यदि हां, तो उनकी उपेक्षा करने के क्या कारण हैं ;

(ग) क्या यह भी सच है कि इस प्रणाली के अन्तर्गत उन गांवों को भी गेहूं सप्लाई नहीं किया जाता, जो गत तीन चार वर्षों से अकाल की गंभीर स्थिति का सामना कर रहे हैं; और

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार इस प्रणाली को अधिक लाभकारी और न्यायोचित बनाने के लिए उपाय करने का है और यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है ?

कृषि तथा ग्रामीण विकास मंत्रालयों में उप मंत्री (कुमारी कमला कुमारी) : (क) से (घ). अपने-अपने क्षेत्रों में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के गठन तथा प्रशासन की जिम्मेदारी राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्रों की है। केन्द्रीय सरकार द्वारा राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को गेहूं का आवंटन इसकी कुल उपलब्धता तथा राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों की उनकी मांग के आधार पर किया जाता है। देश में खोली जा चुकी लगभग 2.98 लाख उचित दर की दुकानों में से लगभग 2.38 लाख दुकानें ग्रामीण क्षेत्रों में हैं और शेष शहरी क्षेत्रों में हैं। इन दुकानों द्वारा वितरित की जा रही आवश्यक वस्तुओं में से एक गेहूं है। यद्यपि इन दुकानों के माध्यम से बेची जाने वाली वस्तुओं की मात्रा और अन्य ब्यौरा राज्यो द्वारा निर्धारित किया जाता है, तथापि यह कहना सही नहीं होगा कि ग्रामीण क्षेत्रों की उपेक्षा की जा रही है। केन्द्रीय सरकार भी सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों पर इस बात के लिए जोर देती रही है कि वे यह सुनिश्चित करें कि शहरी तथा ग्रामीण दोनों ही क्षेत्रों में, विशेषकर समाज के कमजोर